केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 315 शनिवार 8 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सपा विधायक इरफान सोलंकी को 7 साल की सजा

कानपुर (आभा)। कानपुर के सपा विधायक इरफान सोलंकी को शुक्रवार को तगड़ा झटका लगा है। कानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट ने इरफान सोलंकी को आगजनी के मामले में सात साल की सजा सुनाई है। इरफान के साथ ही उनके भाई रिजवान समेत पांच लोगों को अदालत ने दोषी माना था। सभी छह दोषियों पर 20–20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। महाराजगंज जेल में बंद इरफान सोलंकी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया। सजा के साथ ही इरफान की विधानसभा सदस्यता जाना तय हो गया है। इरफान कानपुर की सीसामऊ सीट से विधायक हैं। इरफान की सीट खाली होने के साथ ही यूपी की नौ सीटों पर उपचुनाव तय हो गया है। आठ सीटों के विधायक लोकसभा चुनाव में सासंद बन चुके हैं। फैसला आने के बाद इरफान के वकील ने कहा कि वह हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

30 जून तक सड़क चौड़ीकरण पूरा कराने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिलाधिकारी के निर्देशानुसार बड़ेबन से कम्पनी बाग चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण के सम्बन्ध में अपर जिला अधिकारी कमलेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने बैठक में उपस्थित समस्त संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया और कहा कि आगामी 30 जून तक सड़क चौड़ीकरण का समस्त कार्य पूर्ण कराएं।

उन्होंने उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, सीओ विनय सिंह चौहान को निर्देशित किया कि अतिक्रमण को तत्काल हटवाएं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित दिया कि कार्य पूर्ण हो जाने के बाद खुदाई वाले स्थान को तत्काल समतल कराए।

बैठक में डीएफओ, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, अधिशासी अभियंता विद्युत मनोज सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी, सीओ विनय सिंह चौहान उपस्थित रहे।

कांग्रेस में शामिल हुये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। कांग्रेस पार्टी की नीतियों और 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से प्रभावित होकर उमेश वर्मा और नीतिश चौधरी ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने दोनो युवकों को फटका पहनाकर उन्हे पार्टी में शामिल किया। उन्होंने कहा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तथा कांग्रेस की 5 गारण्टियों का असर लोकसभा चुनाव में दिखाई दिया।

जिलाध्यक्ष ने पार्टी में शामिल नये सदस्यों को बधाइयां देते हुये पार्टी को मजबूत करने में यथाशक्ति योगदान देने को कहा। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, डी.एन. शास्त्री, लक्ष्मी यादव, अलीम अख्तर, प्रशान्त वर्मा, विजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सरकार बनाने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू ने नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया, खिलाया दही–चीनी

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया। रिपोर्ट के मुताबिक, नई सरकार का शपथग्रहण समारोह रविवार की शाम को होगा। मोदी ने शुक्रवार शाम को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने मोदी को मनोनयन पत्र सौंपा। साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी को दही–चीनी भी खिलाया। इससे पहले, भाजपा नीत राजग के नेताओं ने मुर्मू से मुलाकात की थी और मोदी के लिए समर्थन पत्र सौंपा। मालूम हो कि मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया है।

राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत किया है। मोदी ने कहा, श्राष्ट्रपति ने मुझे मनोनीत प्रधानमंत्री के रूप में काम करने के लिए कहा है और उन्होंने मुझे शपथ समारोह के लिए आमंत्रित किया है।' मोदी ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को बताया कि 9 जून का दिन शपथग्रहण के लिए उचित रहेगा।श उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन रविवार को शपथग्रहण समारोह का विवरण तैयार करेगा और तब तक वह मंत्रिपरिषद की सूची राष्ट्रपति को सौंप देंगे।

पीएम मोदी ने कहा, 'यह 18वीं लोकसभा उन सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जब देश 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा।' उन्होंने कहा कि यह 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा, युवा ऊर्जा का सदन है। लोगों ने राजग सरकार को एक और मौका दिया है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने 293 सीट पर जीत दर्ज की और 543 सदस्यीय सदन में बहुमत हासिल किया।

गौरतलब है कि पीएम मोदी को छव। संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद भाजपा के प्रदेश कार्यालयों में उत्सव मनाया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी और एक–दूसरे को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

गर्मजोशी से मिले मोदी, योगी

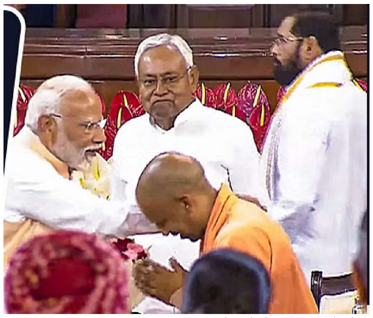

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक में शिरकत की। इस दौरान सभी दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। इस बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। बैठक के बाद मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों से भेंट की और सभी का अभिवादन किया। इन सबके बीच यूपी के मुख्यमंत्री ने जब मोदी को गुलदस्ता देकर प्रणाम किया तो उन्होंने योगी आदित्यनाथ की पीठ थपथपाई। बता दें कि यह बैठक पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में हुई।

दोनों के बीच हुई इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। चर्चा हो रही है कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन रहा उसके बाद इस तरह से मोदी और योगी की मिलना एक अलग ही संदेश दे रहा है। दोनों के बीच काफी गर्मजोशी दिखाई दी।

बैठक बाद योगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के शिल्पकार, अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से भाजपा संसदीय दल, एनडीए संसदीय दल और लोकसभा के नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई! प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी नेतृत्व में एनडीए परिवार 'आत्मनिर्भर भारत–विकसित भारत' के निर्माण और 140 करोड़ परिजनों की सेवा हेतु पूर्णतः संकल्पित है। भारत माता की जय!

संसद भवन की पुरानी इमारत में स्थित संविधान कक्ष में राजग की बैठक की औपचारिक शुरुआत होने के बाद वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने मोदी को राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी सहयोगी दलों ने अनुमोदन किया। अनुमोदन के बाद सभी नेताओं ने ध्वनि मत से मोदी को अपना नेता चुन लिया।

इससे पहले इस बीच वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मोदी को अपना नेता चुनने के लिए यहां पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एकत्रित एनडीए नेताओं से जोशी ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 9 जून को शाम 6 बजे होगा। एनडीए सांसदों के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गठबंधन के वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी ने बुलाया सभी मंत्रियों की बैठक

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन में आ गए हैं। चार जून को लोकसभा का रिजल्ट आते ही पांच जून को नियुक्तियों को लेकर अफसरों को निर्देश दिया था। अगले दो दिन दिल्ली में आयोजित बीजेपी संसदीय दल और एनडीए की बैठक में शामिल हुए। अब शनिवार को यूपी के सभी मंत्रियों की बड़ी बैठक बुलाई है। बैठक का एजेंडा अभी सामने नहीं आया है लेकिन माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली निराशाजनक सीटों को लेकर मंत्रियों से चर्चा की जाएगी। हार की समीक्षा के साथ ही सरकार की प्राथमिकता वाले कार्यों को तेजी से करने पर बात होगी।

सरकार की प्राथमिकता अब लोकसभा चुनाव की हारी सीटों पर जल्द से जल्द लोगों में दोबारा भाजपा के प्रति विश्वास जगाना है। कई सांसदों ने हार के लिए विधायकों और संगठन के लोगों पर भितरघात करने और सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। खासकर केंद्रीय मंत्रियों ने विधायकों पर सीधे निशाना साधा है। देश में भाजपा को सबसे बड़ा झटका यूपी में ही लगा है। यहां पिछली बार सपा–बसपा के गठबंधन के बाद भी भाजपा 63 सीटें जीतने में कामयाब हो गई थी। इस बार उसे केवल 33 सीटें ही मिली हैं।

पांच सीटों पर सिमटने वाली सपा और केवल एक सीट पाने वाली कांग्रेस ने आश्चर्यजनक रूप से क्रमशः 37 और छह सीटें जीत ली हैं। यूपी के आठ विधायक भी अब सांसद बन गए हैं।

भगोड़ा घोषित पूर्व मंत्री अमरमणि की लखनऊ में 1.18 करोड़ की संपत्ति कुर्क

लखनऊ (आभा)। बहुचर्चित राहुल मद्धेशिया अपहरण कांड के 23 साल पुराने मामले में भगोड़ा घोषित पूर्वमंत्री अमरमणि की लखनऊ में स्थित 1.18 करोड़ की संपत्ति पुलिस ने गुरुवार को कुर्क कर ताला लगा दिया। इसकी आख्या शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने अदालत में पेश की। विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए/ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने अपहरण मामले की सुनवाई करते हुए अपने आदेश कहा कि अमरमणि की महराजगंज और लखनऊ में चिह्नित दो संपत्तियों की कुर्की के बाद शेष प्रॉपर्टी भी कुर्क कर कुर्की रिपोर्ट अगली सुनवाई की तारीख 21 जून तक प्रस्तुत करें। मामले की विवेचना कर रहे शहर कोतवाल विजय कुमार दुबे की ओर से एमपी–एमएलए कोर्ट में प्रार्थना–पत्र दिया गया कि अमरमणि के महराजगंज जिले के नौतनवा में स्थित मकान नं. 81 बी को 13 अप्रैल 2024 को कुर्क किया गया। वहीं विक्रांत खंड गोमतीनगर लखनऊ स्थित भूखंड ए–3ध्297 की एक करोड़ 18 लाख 80 हजार की प्रॉपर्टी को कोतवाली के निरीक्षक कृ पाशंकर मौर्य, एसआई राजेश यादव की टीम ने कमिश्नरेट लखनऊ के मजिस्ट्रेट और रिसीवर की मौजूदगी में कुर्क कर दिया गया। शेष संपत्ति का पता लगाने के लिए विकास प्राधिकरण गोरखपुर, नगर आयुक्त नगर निगम व सदर एसडीएम को पत्र लिखकर जानकारी मांगी गई है। फिलहाल अदालत के आदेश पर 21 जून तक शेष बची संपत्तियों को पता कर पुलिस को उसकी कुर्की करनी होगी।

अवैध तरीके से संपत्ति जुटाने पर हिस्ट्रीशीटर के दो मंजिला मकान पर शुक्रवार को कुर्की की कार्रवाई की गई। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर अधिकारियों ने पुलिस बल की मौजूदगी में मुनादी करा कुर्की के आदेश को मकान में चस्पा किया है। हिस्ट्रीशीटर की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जिला न्यायालय के द्वारा दिए गए हैं। एसडीएम सदर जितेंद्र कुमार और सिओ सिटी दीपक दुबे ने पुलिस बल के साथ कबरई थाना के मकरबई गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर चेतराम पाल उर्फ चेतू पाल के भटीपुरा स्थित मकान पर कुर्क की कार्रवाई की है। हिस्ट्रीशीटर के द्वारा अवैध कमाई से यह मकान अपनी पत्नी गेंदारानी के नाम से तैयार कराया गया है। संपत्ति की कीमत 17 लाख 2 हजार रुपये आंकी गई है।

अनुशासनहीनता में बसपा के दो पदाधिकारी निष्कासित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । बहुजन समाज पार्टी ने बस्ती लोकसभा क्षेत्र में मिली हार की समीक्षा किया।

जिलाध्यक्ष जय हिन्द गौतम ने बताया कि अनुशासनहीनता के आरोप में हर्रैया के सचिव संजीव कुमार और सेक्टर अध्यक्ष प्रेम कुमार को निष्कासित कर दिया गया है।

बताया कि समीक्षा की जा रही है और जो पदाधिकारी पार्टी के विरूद्ध कार्यो में संलिप्त पाये जायेंगे उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

महिला अधिकारी से बदसलूकी करने वाला लिपिक निलम्बित: डीएम ने गठित किया जांच कमेटी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिले की एक महिला अधिकारी से उसके ही विभाग के एक लिपिक द्वारा बदसलूकी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने आरोपित कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है।

जिले में एक विभाग में कार्यरत महिला अधिकारी ने डीएम को दिए गए शिकायती पत्र में लिपिक देवेंद्र सिंह पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। घटना 21 मई की बताई जा रही है। शिकायती–पत्र को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने तत्काल मामले की जांच कराई। प्रारंभिक जांच में लिपिक पर बदसलूकी करने का लगा आरोप सही पाया गया।

डीएम ने जांच के लिए कमेटी का गठन कर दिया। कमेटी में तीन महिला अधिकारियों को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि चुनावी व्यस्तता के चलते कमेटी की रिपोर्ट अभी तक डीएम को नहीं मिली है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कर्मचारी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

इस घटना को लेकर विकास भवन में कर्मचारियों के बीच तरह–तरह की चर्चाओं का बाजार शुक्रवार को भी गर्म रहा।

जबरिया घर में घुस गये लोग: एसपी से लगाया न्याय की गुहार: मुण्डेरवा पुलिस पर मनमानी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के सिरौता गांव में घर को जबरिया कब्जा कर लेने का मामला सामने आया है। गांव के गोपाल पुत्र सुक्खू ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में गोपाल ने कहा है कि उसने अपनी पत्नी सावित्री देवी के नाम से सिरौता गांव में चन्दन कुमार पुत्र झिनकू से घर बैनामा कराया था और घर में रह रहे थे। गांव के निकट बांसगांव के अम्बिका प्रसाद पुत्र जगन्नाथ, धर्मराज, अजय, पंकज पुत्रगण अम्बिका प्रसाद चौरसिया उनकी दो बेटी व बहू, भांजा आदि लगभग 5, 6 बाहरी अज्ञात व्यक्तियों के साथ गत 6 जून को जबरिया बैनामा शुदा मकान में घर का ताला तोड़कर घुस गये । उनकी पत्नी ने 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दिया, पुलिस आयी और थाने पर उल्टे उन्ही लोगों को ले गयी। इस दौरान अम्बिका आदि लोग घरा में रखा चावल, गेहूं, सरसो, लहसुन आदि सामान उठाकर ले गये। थाने पर उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई और शाम तक उन्हें मुण्डेरवा थाने पर रोके रखा गया। पुलिस जबरिया सुलह के लिये दबाव बनाती रही।

गोपाल ने पुलिस अधीक्षक से मांग किया है कि उनके घर में जबरिया घुस आये लोगों को बाहर निकाला जाय और दोषियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाय।

भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने तीसरी बार एनडीए सरकार बनाये जाने पर साझा की खुशियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए की जीत और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विजय उत्सव मनाया गया। इस मौके ढोल नगाड़े के साथ मिठाइयां बांटी गई।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए। वहीं, एनडीए की जीत को लेकर संसदीय दलों की बैठक में कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दोहराया कि उनके जीवन का हर एक पल देश के लिए है। आने वाले पांच साल में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और खुशहाली और समृद्धि आएगी। इस बार के चुनाव में एनडीए को 293 सीटों पर जीत मिली है। इससे तय हो गया है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। इस जीत से भाजपा कार्यकर्ता बेहद खुश नजर आ रहे हैं। भाजपा कार्यालय में भारत माता की जय के नारे लगे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पुराने वैभव को प्राप्त करने के लिए बढ़ रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का बनना न सिर्फ पार्टी का बल्कि जनता जनार्दन के विश्वास की जीत है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमन्त्री बनकर इतिहास रचा है। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू एक बार नोमिनेटेड व दो बार इलेक्टेड हुए थे। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीनों बार इलेक्टेड हुए हैं। बस्ती लोकसभा में हमें भले ही सफलता नही मिल पाई लेकिन कार्यकर्ताओं को निराश नही होना है। बल्कि दुगनी उर्जा और जोश के साथ संगठन के काम में लगे रहना है। अब देश का विकास और तीव्र गति से होगा।

इस मौके पर राकेश श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, जगदीश शुक्ल, अंकुर वर्मा, राम चरन चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, चन्द्र शेखर मुन्ना, गजेन्द्र सिंह, अलोक पाण्डेय, सच्चिदानंद पाण्डेय, प्रेम प्रकाश चौधरी, दिलीप भट्ट, दिलीप पाण्डेय, अमित गुप्ता, अश्वनी श्रीवास्तव, हरि कृष्ण तिवारी डब्लू, अखण्ड सिंह, धर्मेन्द्र जायसवाल, श्रुति अग्रहरी, सचिन सिंह, अभिनव उपाध्याय, आशीष शुक्ल, सुभाष श्रीवास्तव, शिव बहादुर मौर्या, सतेन्द्र सिंह भोलू, रमेश गुप्ता, अतुल यादव, नीरज पाण्डेय, महेंद्र सोनकर, दिलीप शर्मा रवि तिवारी, आदर्श तिवारी, वेद प्रकाश, गौरव अग्रवाल, सुरेश सिंह, दिव्यांशु दुबे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरदार सेना ने किया सोशल मीडिया पर गाली देने वाले के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोशल मीडिया पर उत्कर्ष मिश्र द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, नव निर्वाचित सांसद राम प्रसाद चौधरी के विरूद्ध अपमानजनक गालियां दिये जाने से सरदार सेना में रोष है। शुक्रवार को सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के नेतृत्व में सरदार सेना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर फेस बुक पर अपमानजनक गालियां देने वाले उत्कर्ष मिश्र के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किये जाने की मांग किया।

सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि अति शीघ्र गिरफ्तार कराया जायेगा। बताया कि सरदार सेना द्वारा जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन देने वालों में महिपाल पटेल, सर्वेश चौधरी, विवेक चौधरी, अभिषेक चौधरी, रमेश चन्द्र भारती, अशोक चौधरी, हेमन्त चौधरी, आलोक चौधरी, विशाल चौधरी, संदीप निषाद, आलोक कुमार वर्मा, रवि चौधरी, शिवेन्द्र चौधरी, शिवपूजन चौधरी, राजेश कुमार चौधरी, अक्षय यादव, अनिल चौधरी, करन चौधरी, दूधनाथ पटेल, सुनील कुमार, प्रमोद चौधरी, दिव्यांश यादव, के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 जून 2024 शनिवार

सम्पादकीय

मतदाताओं के फैसले और कट्टरपंथ

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उनका गहन विश्लेषण भी हो रहा है, पर इस प्रक्रिया के दौरान उन तीन नतीजों पर भी देश को गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा जहां से देश के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले तीन उम्मीदवार जीत गए हैं। पंजाब की खडूर साहिब और फरीदकोट लोकसभा सीटों के चुनाव परिणाम सिख राजनीतिक क्षेत्र में बड़े बदलाव और पंथिक राजनीति के पुनरुत्थान का संकेत देते हैं। कट्टरपंथी प्रचारक अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब से और इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह ने फरीदकोट से जीत हासिल की है, दोनों ही निर्दलीय प्रत्याशी थे। अमृतपाल सिंह खालिस्तान के पक्ष में बोलते रहे हैं। इसी तरह से जम्मू–कश्मीर की बारामूला सीट से इंजीनियर राशिद का राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमेर अब्दुल्ला को हराना अपने आप में सामान्य घटना नहीं है। राशिद पाकिस्तान परस्त रहे हैं और फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

पर पहले बात कर लें अमृतपाल सिंह की। उन्हें पिछले साल राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर असम के डिब्रूगढ़ में जेल में रखा गया था। सरबजीत सिंह की जीत ने भी साबित कर दिया है कि सिख अभी तक ऑपरेशन ब्लूस्टार और उन भयानक सिख विरोधी दंगों को भूले नहीं हैं। सच में फरीदकोट ने बड़ा आश्चर्यजनक नतीजा दिया जब सरबजीत सिंह ने हसौड़ लोकप्रिय अभिनेता करमजीत अनमोल को हरा दिया, जबकि उनका फरीदकोट से कोई बड़ा नेटवर्क नहीं था। जब इंदिरा गांधी की हत्या में शामिल के कारण सरबजीत सिंह के पिता को गिरफ्तार किया गया था, वे तब मात्र 6 साल के थे। उन्होंने बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वे पहले भी कई चुनावों में किस्मत आजमा चुके हैं। उन्होंने 2007 में बरनाला जिले के भदौर से पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ा और उन्हें केवल 15,702 वोट मिले। उन्होंने 2004 में बठिंडा लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव भी लड़ा और असफल रहे। उन्हें 1,13,490 वोट मिले। 2009 और 2014 में उन्होंने फिर से क्रमशः बठिंडा और फतेहगढ़ साहिब (आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। सरबजीत सिंह की मां, बिमल कौर और उनके दादा, सुच्चा सिंह पूर्व में लोकसभा के लिए चुने गए थे। सरबजीत सिंह इस बार तो चुनाव लड़ने के मूड में नहीं थे। उनसे जब बहुत लोगों ने चुनाव लड़ने की गुजारिश की तो वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुए। वे अपनी कैंपेन में सिखों के मसलों के अलावा फरीदकोट में नशे की बढ़ती समस्या से लड़ने का वादा कर भी रहे थे। फरीदकोट के लिए कहा जाता है कि यह जिला नशाखोरी की चपेट में पूरी तरह से आ चुका है।

अमृतपाल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को आसानी से मात दे दी। यह लोकसभा सीट पंजाब में भारत–पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। उनकी गैरमौजूदगी में उनके माता–पिता उनके लिए प्रचार कर रहे थे।खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र में अमृतसर–तरन तारन–पट्टी के क्षेत्र शामिल हैं, जो जरनैल सिंह भिंडरावाले का प्रभाव वाला क्षेत्र रहा है। यह सीट सिखों का गढ़ मानी जाती है। अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अपने कार्यालयों में भिंडरावाले के पोस्टर भी लगाए थे। उन्होंने भी ड्रग संस्कृति को समाप्त करने और बंदी सिखों को रिहा कराने का वादा किया।

दरअसल, लोकसभा चुनाव 2034 के रिजल्ट में कई उलटफेर देखने को मिले। ऐसी ही जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट है। यहां राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को जेल में बंद निर्दलीय कैंडिडेट इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख से हार का सामना करना पड़ा। इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख फिलहाल उसी तिहाड़ जेल में बंद हैं, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंद हैं। राशिद शेख को साल 2019 में एनआईए ने टेरर फंडिंग के केस में गिरफ्तार किया था। अमृतपाल की तरह से उन्होंने भी जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा। अब सवाल यह है कि इन संदिग्ध छवि वाले उम्मीदवारों के लोकसभा में पहुंचने से क्या संदेश गया? पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के कथित असर वाले पंजाब में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह की जीत से साफ है कि इनके नेताओं को यह जवाब तो देना ही होगा कि राज्य में देश विरोधी ताकतें कैसे अपने पैर जमा रही हैं? पंजाब में आप की नीतियों को लेकर तो जनता में खासा गुस्सा दिखाई दिया। राज्य की जनता आप के नेता अरविंद केजरीवाल और राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान से नाराज है। आप ने पंजाब में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। उसे उम्मीद थी कि राज्य में उसकी सरकार है, ऐसे में वह कम से कम राज्य की 13 सीटों में से 10 पर तो जीत हासिल करेगी। हालांकि, उसे तीन सीटों से ही संतोष करना पड़ा। होशियारपुर, आनंदपुर साहिब और संगरूर को छोड़कर बाकी की सभी 10 सीटों पर आप को हार का सामना करना पड़ा।

आप को दिल्ली में भी मुंह की खानी पड़ी। आप ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, इसके तहत दक्षिणी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नई दिल्ली के तौर पर चार सीटें उसके खाते में आईं। यह सब सीटें आप हार गई। आप को 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। इसी प्रकार कांग्रेस भी अपनी तीनों सीटें हार गई। इसमें "टुकड़े–टुकड़े गैंग" के कन्हैया कुमार की सीट थी। यह दिल्ली में केजरीवाल और कांग्रेस की अ–लोकप्रियता को दर्शाता है।

एक बार फिर इंजीनियर राशिद पर लौटते हैं। राशिद को वर्ष 2004 में श्रीनगर में आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उसे तीन महीने और 17 दिनों के लिए जेल में रखा गया था। उस पर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर ने मानवीय आधार पर उनके खिलाफ सभी आरोप हटा दिए। उन्हें अगस्त 2019 में कश्मीर के सभी मुख्यधारा के राजनेताओं के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। तब अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था। राशिद लगातार देश और हिन्दू विरोधी हरकते करने से बाज नहीं आते। 8 अक्टूबर 2015 को इंजीनियर राशिद पर जम्मू–कश्मीर विधानसभा के अंदर भाजपा विधायकों द्वारा हमला किया गया था, क्योंकि उन्होंने सरकारी सर्किट हाउस के लॉन में गोमांस परोसने वाली एक पार्टी की मेजबानी की थी। जाहिर है, उपर्युक्त तीनों नव निर्वाचित सांसदों की गतिविधियों पर देश को पैनी नजर रखनी होगी।

एनडीए सरकार में मुद्दे और समन्वय की चुनौती

—सुधांशु माहेश्वरी—

लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार देश में एनडीए की सरकार बनी है, पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी है। लेकिन यह सरकार एनडीए की है, बीजेपी की अकेली नहीं। इस बार जनता का मैंडेट साफ है, उसे मजबूत विपक्ष भी चाहिए और किसी एक दल को ज्यादा बड़ा बहुमत भी नहीं देना है। पिछले दस सालों में तो ऐसा ट्रेंड बन चुका था कि बीजेपी आसानी से कोई भी बड़ा कदम उठा सकती थी, उसका रास्ता साफ इसलिए रहा क्योंकि उसके बाद अपने दम पर बहुमत था। वो प्रचंड बहुमत ही बिना डर के कई फैसले लेने के लिए सक्षम बना रहा था। इसी वजह से अनुच्छेद 370 हटा था, इसी वजह से तमाम विवादों के बावजूद भी ट्रिपल तलाक के खिलाफ कानून लाया गया, सीएए को लागू कर दिया गया। उन फैसलों के दम पर ही इस बार फिर सरकार बनाने की बात कही जा रही थी। पीएम मोदी लगातार कह रहे थे कि तीसरा कार्यकाल बड़े बदलावों का होगा, बड़े रीफॉर्म का होगा। उन रीफॉर्म में एक देश एक चुनाव, यूनिफॉर्म सिविल कोड और कुछ हद तक जनसंख्या कानून भी शामिल था।

इसके ऊपर अमित शाह ने भी सीएए के बाद एनआरसी को लागू करने की बात कही थी, उन्होंने कहा था कि चरण दर चरण इसे भी लागू किया जाएगा। लेकिन अब वो फैसले तो लेने हैं, लेकिन उनका सहारा देने वाला प्रचंड बहुमत मौजूद नहीं है। इस बार केंद्र में मोदी की नहीं एनडीए की सरकार बनी हुई है। एक ऐसी सरकार जहां पर क्षेत्रीय दल सिर्फ अपने लिए बड़े मंत्रालय नहीं मांगेंगे, बल्कि इसके ऊपर सरकार की कई योजनाओं में हस्तक्षेप भी करेंगे।

इस देश में हमेशा से ही एक बात पर बहस छिड़ी रही है— केंद्र में मजबूत सरकार बननी चाहिए या फिर मजबूर सरकार। वो बहस भी इसलिए शुरू हुई क्योंकि ऐसा आरोप लगा कि मजबूर या गठबंधन सरकार के दौरान पॉलिसी पैरालिसिस देखने को मिलता है, सारा वक्त एक दूसरे को मनाने में निकल जाता है। वो नेरेटिव जब ज्यादा मजबूत हो गया था, तभी 2014 में कई दशकों बाद देश ने एक पार्टी को स्पष्ट जनादेश दिया, सरकार बनाने का मौका दिया। दूसरी बार भी वैसा ही देखने को मिल गया, लेकिन इस बार का जनादेश कई साल पीछे ले गया है। देश में फिर गठबंधन सरकारों का दौर आ गया है।

इसी वजह से सवाल उठ रहा है कि इस बार की सरकार पिछली सरकार से कितनी अलग होगी, इस बार क्या बड़े फैसले होते दिखेंगे भी या नहीं? क्या बीजेपी अपने कोर एजेंडे पर आगे बढ़ पाएगी या उसे सिर्फ समाजिक न्याय से जुड़े दूसरे मुद्दों को प्राथमिकता देनी पड़ेगी? नीतीश कुमार की बात हो या फिर चंद्रबाबू नायडू की, दोनों ही गरीबों की राजनीति करते हैं, निजीकरण या बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म्स को लेकर उनका रुख बहुत ज्यादा सकारात्मक नहीं दिखा है।

दूसरी तरफ मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में कुछ बड़े आर्थिक आधार की नींव डालना चाहते हैं। बात चाहे देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की हो या फिर बड़े जमीन और श्रम कानून लाने की हो, सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में कई कड़े कदम उठाना चाहती है। लेकिन जानकार भी मानते हैं कि ऐसे कदमों की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है। अब दूसरे साथियों पर सरकार की निर्भरता ज्यादा रहने वाली है। इसके ऊपर देश की संसद में बीजेपी की स्थिति और ज्यादा कमजोर हो जाएगी।

बीजेपी का जो एजेंडा है, उसे उसका हर सहयोगी दल पसंद नहीं करता है। यह नहीं भूलना चाहिए पंजाब में अकाली जैसे इतने पुराने साथी ने कृषि कानूनों के नाम एनडीए छोड़ने का फैसला कर लिया था। ऐसे में अब तीसरे कार्यकाल में ज्यादा आक्रमक होकर बड़े और कठिन फैसले लेना मुश्किल हो सकता है। एक देश एक चुनाव हो या फिर जनसंख्या कानून, सभी को संसद होकर ही गुजरना होगा। उसी संसद में अब बीजेपी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है, ऐसे में दूसरे दल कितना साथ देंगे, कितना मामला फंसाएगा, इस बात की चिंता मोदी के साथ–साथ दुनिया की कई दूसरी एजेंसियों को भी होने लगी है।

मूडीज तो कह चुका है कि इस बार क्योंकि मोदी को कमजोर बहुमत मिला है, आर्थिक सुधारों की स्पीड पर भी असर पड़ सकता है। जितने रिफॉर्म पिछली बार देखने को मिले, इस बार उनकी रफ्तार कम हो सकती है, सरकार थोड़ा बचकर चल सकती है। अभी इस समय तो सीएए को भी पूरी तरह से देश में लागू करना एक चुनौती बना हुआ है। जो नीतीश कुमार इस एनडीए सरकार में शामिल हैं, वे कई मौकों पर कह चुके हैं कि बिहार में सीएए का कोई काम नहीं, इसे लागू नहीं किया जा सकता।

इसी तरह परिसीमन को लेकर भी लंबे समय से चर्चा चल रही है, एनडीए के कई घटक दल ही इसका समर्थन नहीं करते हैं, ऐसे में पीएम मोदी का यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में जा सकता है। इसके अलावा वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह सबसे बड़ी प्राथमिकता माना जा रहा है। इस समय 47 में से 32 दल यूसीसी का समर्थन करते हैं, लेकिन सवाल वही है— क्या नीतीश और चंद्रबाबू नायडू भी बीजेपी की विचारधारा को स्वीकार कर पाएंगे? अगर नहीं तो किसी भी कीमत पर यह दोनों बिल पारित नहीं हो पाएंगे।

अब बीजेपी के सामने चुनौती सिर्फ अपने प्रोजेक्ट्स को पूरा करना नहीं है, बड़ी बात यह है कि दोनों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू अपने–अपने राज्य के लिए स्पेशल पैकेज की मांग कर रहे हैं। यह मांग ऐसी है जिस वजह से पहले दोनों ही नेता एनडीए से अलग हो चुके हैं। ऐसे में इस बार तो दोनों क्योंकि किंगमेकर की भूमिका में हैं, ऐसे में मोदी पर दबाव ज्यादा रहने वाला है। इसके अलावा नीतीश जातिगत जनगणना करवाना चाहते हैं जिसक पीएम मोदी ने ज्यादा स्वागत नहीं किया है। लेकिन अब इस गठबंधन वाली सरकार में इस मुद्दे पर भी प्रेशर पॉलिटिक्स होती दिख सकती है।

लोकतंत्र के बदलते स्वर

—बलबीर पुंज—

18वें लोकसभा चुनाव के नतीजे अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं। पहला पिछले कुछ वर्षों से विरोधी दल, विदेशी शक्ति और मीडिया के एक भाग द्वारा नरेटिव गढ़ा जा रहा था कि देश की लोकतांत्रिक–संवैधानिक संस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जेब' में है अर्थात् प्रजातंत्र समाप्त हो चुका है। ई.वी.एम. और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश को कलंकित किया जा रहा था। चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। क्या प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम–जिहादी–सेकुलर समूह अपने इस वाहियात प्रलाप के लिए देश से माफी मांगेगा?

दूसरा प्रधानमंत्री मोदी ने इतिहास रचते हुए स्वतंत्र भारत में 1962 के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जनमत प्राप्त किया है। पिछले लोकसभा चुनाव (2019) की तुलना में भाजपा को इस बार 0.8 प्रतिशत मतों का नुकसान हुआ है। इससे उसकी देश में 63 सीटें घट गईं और वह अपने दम पर तीसरी बार लगातार बहुमत का आंकड़ा छूने से पिछड़ गई। भाजपा को जिन 4 प्रदेशों में सर्वाधिक क्षति पहुंची, उसमें संख्या के लिहाज से उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर है। यहां की 80 लोकसभा सीटों में भाजपा इस बार 41 प्रतिशत मतों के साथ 33 सीटों पर विजयी हुई है, जोकि पिछले चुनाव की तुलना में 29 सीटें कम है। इसका सीधा लाभ समाजवादी पार्टी–कांग्रेस नीत विरोधी गठबंधन को मिला है। तीसरा, अपने बल पर बहुमत के आंकड़े से चूकने के बाद भाजपा इस बार तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और जनता दल–यू (जे.डी.यू.) सहित लगभग 30 सहयोगियों पर निर्भर होकर सरकार चलाएगी। आंध्रप्रदेश में भाजपा और जन सेना पार्टी से गठबंधन करने के बाद टी.डी.पी. ने दमदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की 175 सदस्यीय विधानसभा में अकेले दो तिहाई से अधिक अर्थात् 135 सीटें जीतकर जबरदस्त वापसी की है।

चौथा, टी.डी.पी. के अतिरिक्त बिहार में एन.डी.ए. सहयोगी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जे.डी.यू. ने भी भाजपा के साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है। इससे साबित होता है कि बिहार की राजनीति में नीतीश अब भी लोकप्रिय हैं। राजग गठबंधन के अंतर्गत भाजपा ने 17 में से 12, जे.डी.यू. ने 16 में से 12 और चिराग पासवान की पार्टी ने अपनी सभी 5 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस–आर.जे.डी. सहित विरोधी गठजोड़ जबरदस्त प्रचार के बाद भी 10 सीटें ही जीत पाया है। पांचवां, ओडिशा में भाजपा ने कीर्तिमान रचा है। 40 प्रतिशत से अधिक मतों के साथ पार्टी ने 147 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 78 सीटें जीतकर अपने दमखम पर बहुमत प्राप्त किया है। वहीं लोकसभा में 21 में से 20 सीटें अपने नाम करके सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) का सूपड़ा साफ कर दिया है। सूबे में 24 वर्षों से सत्तासीन और शारीरिक रूप से अस्वस्थ 77 वर्षीय निवर्तमान मुख्यमंत्री और बी.जे.डी. के अध्यक्ष नवीन पटनायक अब शायद ही इस पराजय से वापसी कर पाएं। ओडिशा के अतिरिक्त, अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है।

छठा, पश्चिम बंगाल में तमाम तरह के विवाद, मुस्लिम कट्टरपंथियों के तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने विरोधी आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़कर 46 प्रतिशत मतों के साथ यहां की 42 में से 29 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2014 के बाद तृणमूल का यह सबसे बेहतर प्रदर्शन है। सातवां, कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंप दिया, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव (2022) का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई।

छठा, पश्चिम बंगाल में तमाम तरह के विवाद, मुस्लिम कट्टरपंथियों के तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने विरोधी आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़कर 46 प्रतिशत मतों के साथ यहां की 42 में से 29 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की है। वर्ष 2014 के बाद तृणमूल का यह सबसे बेहतर प्रदर्शन है। सातवां, कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंप दिया, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव (2022) का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई।

आठवां, इस चुनाव में भाजपा को अखिल भारतीय स्वीकार्यता को और अधिक बल मिला है। केरल में पहली बार उसका खाता खुला है। यहां की त्रिशूर सीट पर भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने वामपंथी प्रतिद्वंद्वी को 74 हजार से अधिक मतों से हराया है। तेलंगाना में भाजपा की सीटें पिछले चुनाव की तुलना में 4 से बढ़कर 8 हो गई है। आंध्रप्रदेश में 3, तो कर्नाटक में 17 सीटों पर विजयी हुई है। तमिलनाडु में भले ही भाजपा एक भी सीट जीतने में असफल रही हो, परंतु उसका मत प्रतिशत पहली बार 11 प्रतिशत को पार कर गया है।

आज मुस्लिम समाज के जिस 'आक्रोश' को भाजपा झेल रही है, ठीक उसी तरह का गुस्सा कांग्रेस का भी सह चुकी है। वर्ष 1935 के बाद अविभाजित भारत के कुछ प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। तब मुस्लिम लीग ने इसी कांग्रेस की प्रांतीय सरकारों में तथाकथित 'मुस्लिम अत्याचार' पर 1937–38 में पीरपुर समिति का गठन किया था। उसने अपनी रिपोर्ट में 'बहुसंख्यकवाद' आदि विषयों को लेकर कांग्रेस को 'सांप्रदायिक' घोषित कर दिया था। बाद में अंग्रेजों और वामपंथियों के समर्थन से इन आरोपों को इस्लाम के नाम पर भारत के तकसीम का मुख्य आधार बना लिया गया था। एक सदी बाद भी मुस्लिम समाज के यह इल्जाम जस के तस हैं। तब यह आरोप इकबाल–जिन्नाह की मुस्लिम लीग ने वामपंथियों–अंग्रेजों के साथ मिलकर गांधी–पटेल–नेहरू की कांग्रेस पर लगाए थे और आज वही जहर राहुल की कांग्रेस, स्वयंभू सेकुलरवादी मार्क्स–मैकॉले मानसपुत्रों के साथ मिलकर मोदी–शाह–योगी की भाजपा पर उगल रहा है।

मोदी के मनोबल का सवाल

—जूलियो रिबैरो—

नरेंद्र मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल मिला। जैसा कि एग्जिट पोल्स ने भविष्यवाणी की थी, यह कोई आसान काम नहीं था। भाजपा अपने दम पर 272 के आंकड़े से काफी कम 240 सीटें ही हासिल कर पाई। उसे शासन करने के लिए एन.डी.ए. (राजग) में अपने सहयोगियों की समायोजित करना होगा। तेदेपा, जद–यू और अन्य ने मिलकर 54 सीटें हासिल की जिससे मोदी के लिए कैबिनेट पोर्टफोलियो आबंटित करने में समस्या पैदा हो गई।

एन.डी.ए. जिसमें वे पार्टियां शामिल हैं जिनके पास भाजपा के साथ गठबंधन की चुनाव पूर्व समझ थी, ने 294 सीटें हासिल कीं, जो कि मोदी द्वारा गठबंधन के लिए निर्धारित 400 के आंकड़े से 100 से अधिक कम है। मोदी अब भी देश के सबसे सक्षम राजनीतिक नेता हैं लेकिन उनका दबदबा कम हो गया है। उन्हें शासन की अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता होगी, विशेषकर वह राजनीतिक विरोधियों और अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं यह देखने वाली बात होगी।

मोदी ने चुनावी जीत हासिल करने के लिए हिंदू बहुमत बनाम मुस्लिम अल्पसंख्यक कार्ड का इस्तेमाल किया। यह 2014 और 2019 में काम आया। लेकिन इस संशोधित जनादेश के साथ उन्हें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा। स्पष्ट रूप से यह अब विजेता नहीं है। उन्हें संघ परिवार में सीमांत तत्वों को अनुशासित करने की जरूरत है। उन्हें वश में करने की प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा। एक बार जिन्न के बाहर आने के बाद उसे दोबारा बोतल में बंद करना आसान नहीं है।

मोदी को अपनी मुख्य प्राथमिकता के रूप में नौकरियों और बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अपने तीसरे कार्यकाल में यह उनकी पहली और सबसे बड़ी इच्छा होनी चाहिए। भारतीय मतदाताओं ने जो कठोर संदेश दिया है, उसके आलोक में इन सभी को संशोधित करने की आवश्यकता होगी। मोदी को बुनियादी बातों–शिक्षा और स्वास्थ्य से शुरुआत करनी होगी। यहां उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी केजरीवाल और आम आदमी पार्टी से सबक लेना चाहिए। उस पार्टी ने इन दोनों क्षेत्रों में बड़ी सेंध लगाई है। जब तक हमारी श्रम शक्ति की उत्पादकता कई गुना नहीं बढ़ जाती, हम अपने पूर्व के पड़ोसी की बराबरी नहीं कर पाएंगे, जिसने हमसे 50 साल या उससे अधिक का सफर तय किया है। मोदी को 'शहरी नक्सली' कहे जाने वाले लोगों के प्रति अपनी नापसंदगी को भी कम करने की जरूरत है। उनमें से अधिकांश संपन्न परिवारों से आते हैं, लेकिन उनमें गरीबों और वंचितों के लिए बहुत अधिक इच्छा विकसित हो गई है।

भाजपा के साथ अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रहने पर स्थिरता का आश्वासन नहीं दिया जा सकता। चंद्र बाबू नायडू की तेदेपा और नीतीश कुमार की जद–यू भाजपा की इच्छाहुत्व विचारधारा से सहमत नहीं हैं। अब जिस चीज की आवश्यकता है वह मेरे द्वारा पहले बताई गई पंक्तियों पर सुधार की है। एक राजनेता के लिए उपयुक्त गुणों वाले 'जीवन भर में एक' नेता के रूप में उनकी तेजी से लुप्त होती प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करने के लिए यह सुधार आवश्यक है।

वर्तमान में, उनके कट्टर अनुयायियों के बीच उनका कद दैवीय गुणों वाले एक महामानव जैसा है। दुर्भाग्य से उनके आलोचक, जो काफी संख्या में हैं, उन्हें बिल्कुल अलग रंग के चश्मे से देखते हैं। विदेश में वैश्विक नेताओं के साथ उनकी स्थिति ऐसी है जिसे उनके देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के कारण 'हम नजरअंदाज नहीं कर सकते'। फिर भी वे उन्हें मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार के बारे में लगातार याद दिलाते रहते हैं। इस पीठ से धक्का देने वालों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि अब उनके ताकतवर होने की संभावना है क्योंकि उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही। मोदी को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन एक साथ आया था। वे जानते थे कि जब वह निर्वाचित होने के रूप में अपनी सुविधाजनक स्थिति से शासन करेंगे, तो संभावना है कि वह उन्हें एक–एक करके कुचल देंगे, जैसे उन्होंने अपनी पार्टी में पुराने नेताओं को निपटा दिया था और आने वाले नेताओं को अनुमान लगाकर रखा था। मोदी जन्मजात नेता हैं जिनमें जीवित रहने की तीव्र प्रवृत्ति है। वह इस 'हार' से अपना मनोबल गिरने नहीं देंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत महादेवा वि0ख0 गौर जनपद– बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 09–06 2024 से 17–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 18–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(अजय निषाद) ग्राम प्रधान **(अवधेश कुमार राव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

'अभिव्यक्ति' की तीसरी गोष्ठी- कांटो से सम्बन्ध निभाने पड़ते हैं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

गोरखपुर। 'अभिव्यक्ति' साहित्यिक– सांस्कृतिक संस्था की तीसरी गोष्ठी संस्था के मुख्यालय 90, प्रतापनगर टीचर्स कालोनी चिलमापुर रुस्तमपुर गोरखपुर में नियत तिथि पर सकुशल सम्पन्न हुई ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि नर्वदेश्वर सिंह मास्टर साहब ने और संचालन शशिबिन्दु नारायण मिश्र ने किया। वाग्देवी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् कवि बृजेश राय ने मधुर स्वर में स्वरचित सरस्वती वंदना पढ़ी। उसके बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वयोवृद्ध कवि वागीश्वरी मिश्र श्वागीशश की भोजपुरी रचनाओं पर भाषाविद एवं समीक्षक प्रोफेसर रामदरश राय द्वारा भोजपुरी में लिखित समीक्षा का बृजेश राय द्वारा कुशलतापूर्वक वाचन किया गया। प्रोफेसर राय ने वागीश्वरी मिश्र 'वागीश' के बारे में लिखा कि –'वागीश जी नया कवि नाहीं बाटें। अनुभव सिद्ध आ वाणीऋद्ध प्रौढ़ सयान कवि हवें। .... वाकई, वागीश्वरी मिश्र 'वागीश' में बेबाक काव्य हुनर बो। भोजपुरी भाषा आ अभिव्यक्ति विन्यास के दुर्लभ कला–विवेक भी बो।'

उपस्थित सभी रचनाकारों ने अद्भुत और स्तरीय रचनाओं का पाठ किया। समीक्षा पाठ के बाद गोरखपुर में काव्य क्षेत्र की एकदम नयी पौध वरांगदेव मिश्र ने कविता पढ़ी –

'न खाने को खाना, न खेलने को खिलौना।

न पढ़ने को किताब,न रहने का ठिकाना।

न दिल में उम्मीद,न दिमाग में तकलीफ।

फिर भी जी रहा है गरीब।'

नये तेवर के कवि यशस्वी यशवन्त ने –'हिम्मत के गीत सुना के, आँख में तोहरा पानी बो।' गीत सुनाकर काव्यगोष्ठी की अच्छी शुरुआत की।

गीतकार रामसमुझ 'साँवरा' ने भारतीय बेटी के आदर्श पर गीत पढ़ा –'बबुनी राहे चलिहे नजरिया गड़ाइ के, ओढ़नी बचाइ के नो। तू हऊ भारत के बेटी।'

भागीरथी सांस्कृतिक मंच के सचिव बृजेश राय ने प्रेम की पवित्रता को परिभाषित करती हुई उच्च कोटि की कविता पढ़ी –'प्रेम बायें हाथ का खेल नहीं, दायें हाथ का खेल है, प्रेम करने वाले लोग खपा देते हैं ताउम्र, लेकिन साँस तक नहीं लेते।'

अनुभवी एवं वरिष्ठ कवि जगदीश खेतान ने कविता पढ़ी –'काश् मेरी भी साली होती,गोरी या काली होती।' इस कविता में भ्रूणहत्या रोकने का उत्तम संदेश अच्छा लगा। खेतान ने दूसरी व्यंग्य रचना भी पढ़ी –'खूब लगवले चूना बो।'

आत्ममुग्धता और भुथरे प्रचार से दूर रहकर साहित्य साधना में लीन कवयित्री डॉ कनकलता ने शान्त रस में बहुत उच्च भावभूमि का गीत पढ़ा–'कैसे करूँ मन का श्रृंगार,....... मन का है अपना रंगमंच, रूप ध ारे हजार।' कनक जैसी गीत की सहज और आकर्षक प्रस्तुति कम ही सुनने को मिलती है, इस बात को उपस्थित सभी रचनाकारों ने स्वीकार किया।

वरिष्ठ छांदस चेतना के कवि ओमप्रकाश पाण्डेय 'आचार्य जी' ने सवैया छंद में स्वरचित लंकादहन प्रसंग की कविता पढ़ी –'जो आखिरी छोर अधूरा है, नहीं कह सकता पूरा है।'

'विश्व शांति मिशन' संस्था के प्रस्तोता गीतकार–गजलकार अरुण ब्रह्मचारी ने शानदार समसामयिक गजल पढ़ी – गजल के मतले का शेर है –

'एक लफ्ज मुहब्बत की, बस इतनी कहानी है।

पत्थर का जमाना है, शीशे की जवानी है।'

अभिव्यक्ति के अध्यक्ष गीतकार जयप्रकाश नायक ने व्यवस्था का यथार्थ चित्रण करते हुए बहुत सुंदर गीत पढ़ा –– 'कत्ल में हाथ तो हमशक्ल का, इजलास में हम लाये गये।'

नमाज पढ़कर वापस आ रहे सींचपाल की चाकू से गोदकर हत्या

संवाददाता–बहराइच। जिले के अमवा मौलवी गांव में नमाज पढ़ कर वापस आ रहे सींचपाल की एक युवक ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ने पुरानी रंजिश को लेकर घटना को अंजाम दिया। दिनदहाड़े हुई हत्या की वारदात से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। जिले के मटेरा थाना के गांवअमवा मोलवी के रहने वाले वसीम खां 55 वर्ष सींचपालध्अमीन के पद पर तैनात थे।सींचपाल की गांव के रहने वाले इब्राहिम उर्फ गुल्ले से काफी दिनों से पुरानी रंजिस चल रही थी। शुक्रवार की सुबह सुबह पांच बजे वसीम खां गांव में स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए गए थे। नमाज पढ़कर बाहर निकलते ही वहां मौजूद इब्राहीम ने सींचपाल पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी इब्राहीम को घेरकर पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी होने पर थानाध्यक्ष परमानंद तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी को हिरासत में लिया। ग्रामीणों के बयान दर्ज किया। मृतक की पत्नी रेशमा की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बिजली चोरी का रिपोर्ट न दर्ज करने के लिए जेई ने मांगे 16 हजार, एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

संवाददाता–गोण्डा। जिले के खरगूपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात और अभियंता संतोष कुमार सिंह ने बिजली चेकिंग के दौरान शिवगढ़ गोपाल पर के रहने वाले राम दत्त को बिजली चोरी के मामले में पकड़ा था। बिजली विभाग की टीम उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कह रही थी। जब रामदत्त ने रिपोर्ट न दर्ज कराने का अनुरोध किया तो और अभियंता और उनकी टीम ने 16 हजार रुपए घुस मांगा। विद्युत उपभोक्ता रामदत्त ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से किया। शिकायत का संज्ञान लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने बृहस्पतिवार को जाल बिछाया। टीम के बताने के मुताबिक रामदत्त ने रिश्वत की धनराशि देने के लिए जेई को इटहिया नबीजोत चौराहे के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर के सामने बुलाया। जैसे ही जेई संतोष कुमार सिंह संविदा लाइनमैन धर्मेंद्र कुमार और सुनील वर्मा के साथ मौके पर पहुंचे और रामदत्त से रिश्वत की रकम ली। उसी समय एंटी करप्शन की टीम ने उन्हें रंगे हाथ दबोच लिया। इस संबंध में इटियाथोक थाने के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि जेई सहित दोनों संविदा कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चनईपुर वि0ख0 गौर जनपद– बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 09–06 2024 से 17–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 3.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(सुधा देवी) ग्राम प्रधान **(अवधेश कुमार राव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत डड़वा भैया वि0ख0 रूधौली जनपद– बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 09–06 2024 से 15–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 15–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(दुर्गावती) ग्राम प्रधान **(अशोक कुमार)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत जोगिया वि०ख० बस्ती सदर- जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना, पन्द्रहवा वित्त/ पंचम वित्त / केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त / सांसद निधि, विधायक निधि, एमएलसी निधि / एस.बी.एम.(जी) एवं अन्य शासकीय योजना अन्तर्गत वर्ष में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इन्टरलाकिंग, प्रथम श्रेणी ईट, सीमेन्ट, सादा बालू, मोरंग ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी छड़, पेन्ट, बोर्ड, ह्यूम पाईप, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला, कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पाउडर, चूना, कूड़ादान फागिग मशीन, इण्डिया मार्का– टू हैण्ड पम्प रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण कार्यो में प्रयुक्त सामग्री आदि की आवश्यकता है जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा 15–6–2024 को 2 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फार्म रूपया 50 स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय / स्थान ग्राम पंचायत. मे रखे गये निविदा बाक्स में डाला जायेगा निविदा उसी दिन अपरान्ह 3 बजे निविदाताओं के समक्ष खोला जायेगा।

नियम व शर्ते––

1. अधिकृत फर्म / डीलर का जीएसटी में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है 3 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है।
2. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाय। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा।
4. प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक नहीं होगा। पी०डब्लू के समयानुसार तय दर पर ही भुगतान किया जायेगा।
5. ग्राम पंचायत सचिव / ग्राम प्रधान / अवर अभियन्ता, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
6. धरोहर की धनराशि मु० 5000.00 (पांच हजार) है।
7. धरोहर की धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंको के एडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र जो सचिव ग्राम पंचायत के नाम बन्धक हो की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदा स्वीकृति होने के उपरान्त सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूति की जायेगी।
9. आदेश देने के बाद सात दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जप्त कर ली जायेगी।
10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी।
11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ायी जा सकती है।
12. आपूर्तिकर्ता को भुगतान, अवर अभियन्ता (ग्राम अभि०वि०) / तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।
13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रूपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा।
14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16. निविदा के संबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान– गीता देवी
ग्राम पंचायत– जोगिया
जनपद– बस्ती

सचिव– हीरा सिंह
ग्राम पंचायत– जोगिया
जनपद– बस्ती

पत्रांक मेमो/ निविदा/ 2024–25 दिनांक 07–06–2024

कार्यालय ग्राम पंचायत सरैंया बुर्जुग विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 13.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 14.06.2024 अपरान्ह 12.30 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्ते टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्रीमती मीना यादव
ग्राम पंचायत- सरैंया बुर्जुग
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत-सरैंया बुर्जुग
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत वैदोलिया अजायब वि०ख० गौर जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 09–06 2024 से 16–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 17–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंडजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(केवलपति) ग्राम प्रधान **(अवधेश कुमार राव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत जलालपुर
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 19.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 20.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्रीमती सावित्री | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत- जलालपुर | ग्राम पंचायत-जलालपुर
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत गोविन्दापुर (बहादुरपुर)
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 20.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 21.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्रीमती आमिना खातून | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत-गोविन्दापुर (बहादुरपुर) | ग्राम पंचायत-गोविन्दापुर (बहादुरपुर)
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत सोनबरसा
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 13.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 14.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्रीमती ज्ञानमती | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत- सोनबरसा | ग्राम पंचायत-सोनबरसा
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत कचूरे
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 18.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 19.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्रीमती राजपती | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत- कचूरे | ग्राम पंचायत-कचूरे
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत कुसौरा
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 14.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 15.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–अरूण कन्नौजिया | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत- कुसौरा | ग्राम पंचायत-कुसौरा
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत बहादुरपुर
विकास खण्ड बहादुरपुर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.)/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2/अन्त्येष्टि स्थल निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट, सरिया, लोहे का जाल, हयूम पाइप, वाल पुट्टी, टीन चादर, बजरी, वाल पेटिंग, प्लास्टिक पाईप, कलेक्शन सेंटर, हैण्डपम्प मरम्मत/रिबोर, इलेक्ट्रिक/इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 09.06.2024 से 17.06.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं जो दिनाक 18.06.2024 अपरान्ह 3 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। भुगतान नियमानुसार किया जायेगा।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्री इमरान | सचिव –फिरोज खान
ग्राम पंचायत- बहादुरपुर | ग्राम पंचायत-बहादुरपुर
विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती | विकास खण्ड बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /07.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

पिता के सामने ही कसाई ने रेत दिया युवक का गला

संवाददाता–गोरखपुर। शहर के अहमदनगर चक्सा हुसैन मोहल्ले में कहासुनी होने पर मनबढ़ ने अपने भाइयों के साथ मिलकर चाकू से हमला करने के बाद दुकानदार का गला रेत दिया। गंभीर स्थिति में परिवार के लोग जिला अस्पताल ले गए, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हत्या का मुकदमा दर्ज कर गोरखनाथ थाना पुलिस आरोपित व उसके भाइयों की तलाश में छापेमारी कर रही है। चक्सा हुसैन का रहने वाला 35 वर्षीय जिशान अपने पिता जमीर अहमद के साथ गोरखनाथ थाने के पीछे कपड़े की दुकान पर बैठता था। रात में नौ बजे वह दुकान बंदकर घर आया। घर के बाहर किसी बात को लेकर मोहल्ले में स्थित नूरी मस्जिद के पास रहने वाले बबलू नामक युवक से कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बीच–बचाव कर दोनों को हटा दिया। रात 10 बजे जिशान अपने दरवाजे के पास खड़ा था। आरोप है कि बबलू अपने घर से मुर्गा काटने वाला चाकू लेकर आया और अपने भाइयों की मदद से जिशान को पकड़कर गला रेत दिया। पकड़ने का प्रयास करने पर पेट में भी चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख–पुकार सुनकर आसपास व परिवार के लोग दौड़े तो बबलू व उसके भाई फरार हो गए। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि आपसी विवाद में युवक की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। आरोपित की तलाश चल रही है। मोहल्ले के लोगों ने गोरखनाथ थाना पुलिस को बताया कि जिशान का गला रेतने वाला बबलू ढोलक की मरम्मत के साथ ही कसाई का काम करता है। जमीर अहमद ने गोरखनाथ थाना पुलिस को बताया कि आरोपितों ने उनके सामने ही बेटे की जान ले ली। जिशान की अभी शादी नहीं हुई थी। वह अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़े भाई की पहले ही मृत्यु हो चुकी है।

गाय को घोंपा बल्लम, क्रूरता से की हत्या, दर्ज हुआ मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। हिसामुद्दीनपुर पूरे भीमाताली गांव की निवासी ज्ञान देवी पत्नी दुर्गा प्रसाद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि बुधवार को उनकी गाय खूंटे से खुलकर भाग गई थी। वह गाय को पकड़ने के लिए उसके पीछे–पीछे चल रही थीं। गाय भागते–भागते पड़ोसी गांव घाटमपुर के नीरज पुत्र तिलक राम के खेत के मेड़ तक पहुंची। नीरज ने उसे दौड़ा कर मारते रहे, जिसके परिणामस्वरूप गाय गिरकर मर गई। ज्ञान देवी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी नीरज के खिलाफ धारा 429 आईपीसी एवं 11 (घ) पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गौ हत्या को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी शिक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हुआ है, लेकिन उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम सक्रिय है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृत गाय के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में गाय के गुप्तांग और शरीर पर कई जगहों पर वार किए जाने के निशान दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस मुकदमा दर्ज करने के बजाय पहले गाय को दफनाने के लिए आई थी, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद उन्होंने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू की। इस घटना ने गांव में आक्रोश की लहर फैला दी है और न्याय की मांग जोर पकड़ रही है।

बेटी का रिश्ता देख लौट रहे पिता की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के सड़सड़ा के पास ट्रैक्टर–ट्राली ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी गोला पहुंचाया। गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते हुए उनमें से एक की रास्ते में मौत ही हो गई।

जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। ट्रैक्टर चालक पर केस दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। गोला क्षेत्र के बारानगर निवासी उदयभान निषाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके भाई छोटेलाल निषाद (45) गुरुवार को बेटी की शादी देखने गांव के ही रामवृक्ष पाल (50) के साथ बाइक से गजपुर गए थे। देर शाम बाइक से दोनों लोग अभी सड़सड़ा गांव के पश्चिम बने मंदिर के पास पंहुचे थे की पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पंहुची पुलिस दोनों घायलों की सीएचसी गोला लेकर गई जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालात देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घायल छोटेलाल की रास्ते में मौत हो गई। वहीं रामवृक्ष का इलाज चल रहा है। छोटेलाल मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। बेटी अंशु (18) चार भाई बहन में दूसरे नंबर पर है। बड़ा रौशन (21), गोपी(15) व किशन(13) हैं। रौशन बाहर देश नौकरी करता है। पिता की मौत की खबर सुनते ही बेटी अंशु बेहोश हो गयी। परिवार के सभी लोगों का रो रो कर बुरा हाल है। बड़ा बेटा भी घर के लिए रवाना हो गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com